

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०

कैंसर के प्रति ग्रामीण क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता की आवश्यकता - राज्यपाल

लखनऊ: 27 नवम्बर, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज साइंटिफिक कंवेन्शन सेंटर में एसोसिएशन आफ रेडिएशन आंकोलाॅजिस्ट आफ इण्डिया द्वारा आयोजित 37वीं वार्षिक संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कहा कि कैंसर के प्रति ग्रामीण क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर की प्राथमिक जाँच के लिए स्वयं सेवी संगठनों को जोड़कर काम करने पर विचार करें। विज्ञान की आधुनिक प्रगति एवं अद्यतन शोध का लाभ उठाकर कैंसर के महंगे इलाज के खर्च को कैसे कम किया जा सकता है, इस पर भी विचार करें। संगोष्ठी के निष्कर्ष से उन्हें भी अवगत कराया जाय। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर कैंसर के इलाज, खर्च एवं शोध में सहयोग के लिए क्या करना है उस संबंध में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं राज्य सरकार से चर्चा करेंगे।

श्री नाईक ने कहा कि कैंसर पीड़ितों का इलाज करते समय रोगी के मन में विश्वास एवं इच्छा शक्ति को मजबूत करें। कैंसर पीड़ित के साथ-साथ उनके परिजनों को भी विश्वास में लेना चाहिए। सही समय पर सही इलाज हों तो कैंसर ठीक हो सकता है, इसके प्रति समाज में जागरूकता लाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी बताया कि 21 वर्ष पहले उन्हें भी कैंसर हुआ था लेकिन आज वे पूर्णतया स्वस्थ हैं। राज्यपाल ने संगोष्ठी में अपने अनुभव भी साझा किये।

प्रो० रविकान्त कुलपति किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ने कहा कि साक्षरता एवं स्वच्छता से कैंसर जैसे रोग से बचा जा सकता है। कैंसर का इलाज टीम वर्क जैसा है। हमें सस्ते इलाज के तरीके भी ढूँढने होंगे। उन्होंने कहा कि उचित समय पर टीकाकरण कराने से कई तरह के कैंसर रोग से बचा जा सकता है।

प्रो० राकेश कपूर निदेशक संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान ने कहा कि इलाज से ज्यादा बचाव के तरीके के प्रति जागृति लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कैंसर रोग से बचाव आसान है जबकि इलाज महंगा और मुश्किल है।

संगोष्ठी में एसोसिएशन आफ रेडिएशन आंकोलाॅजिस्ट आफ इण्डिया के पूर्व अध्यक्ष स्व० डाॅ० एम०सी० पंत को याद करते हुए उनकी सेवाओं के लिए उनकी पत्नी को मैडल व स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। संगोष्ठी में डाॅ० कृष्ण नारायण, डाॅ० सुब्रमण्यम, डाॅ० एन०पी० महाजन, डाॅ० एम०एस० गुजराल, डाॅ० एस०पी० शर्मा, डाॅ० वी० सान्याल, डाॅ० एस०पी० पाण्डेय, डाॅ० तिजेन्द्र कटारिया व अन्य को राज्यपाल ने अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने डाॅ० तिजेन्द्र कटारिया की रेडियोलाॅजी पर लिखी एक पुस्तक का विमोचन भी किया।



